Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2018 = 6.371, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, JAN-FEB, 2019, VOL- 6/49

ग्रामीण–नगरीय प्रवसन एवं उत्तरदायी कारक

शिव राज सिंह यादव, Ph. D.
एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, के0 के0 पी0 जी0 कॉलेज, इटावा, उ0 प्र0

Abstract

प्रस्तुत वैयक्तिक अध्ययन, उ0 प्र0 के जनपद इटावा में ग्रामीण नगरीय प्रवसन के सम्बन्ध में 100 सूचनादाताओं के अभिमतों पर आधरित है। प्रस्तुत वैयक्तिक अध्ययन प्रप्त निष्कर्षों में, गांव की विषम परिस्थितियां, ग्रामीण बेरोजगारी तथा निर्धनता की समस्याएं; ग्राम–नगर प्रवास के लिए महत्वपूर्ण प्रत्याकर्षक कारक हैं। सूखा तथा गरखी/अतिवर्षा, बेरोजगारी जनित कर मानव जीवन को अस्थिर बनाती हैं और मानसिक असन्तोष पैदा कर नगर की ओर पलायन करने को विवश करती हैं। गन्दी बस्तियां, झुग्गी–झोंपड़ियां; ग्राम–नगर प्रवासन के प्रतिफलन हैं। गांवों की तुलना में, नगरों में रोजी रोजगारों के अवसर सहज सुलभ हो जाते हैं। निम्न जातियों में सामाजिक व्यवसायिक गतिशीलता अधिक होती है। ग्रामीण–नगरीय प्रवसन को प्रभावित करने वाला; औद्योगिक क्रान्ति एक महत्वपूर्ण कारक है। 'प्रवसन' सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन का एक मूलभूत लक्षण है। ग्रामों से नगर की ओर प्रवसन के लिए कोई एक कारक नहीं अपितु प्रत्याकर्षक (Push) तथा आकर्षक (Pull) दोनों ही प्रकार के कारक उत्तरदायी होते हैं।

शब्दावलीः *ग्रामीण–नगरीय प्रवजन*

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

विश्लेषण एवं निष्कर्ष :यह निर्विवाद सत्य है कि कोई भी मानव (यहां तक कि पशु भी), मित्रों, नातेदारों, तथा आपसी सम्बन्धों के कारण अपने जन्म–स्थान को छोड़ना पसन्द नहीं करता। लेकिन फिर भी हम व्यवहार में पाते हैं कि विश्व के सभी भागों/हिस्सों से एक राष्ट्र से दूसरे राष्ट्र में तथा एक स्थान से दूसरे स्थान पर मनुष्य प्रवास करते हैं। अन्तर केवल इतना है कि कुछ राष्ट्रों में प्रवास की दर अधिक है तो कहीं कम। प्रवास को क्या प्रभावित करता है; इसके लिए कोई एक कारण नहीं; अपितु बहुत से कारण उत्तरदायी होते हैं। आन्तरिक प्रवास के सिद्धान्त प्रायः बहुकारकी सिद्धान्तों पर बल देते हैं जो सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक तथा मनोवैज्ञानिक भी हो सकते हैं। इसलिए आन्तरिक प्रवास के अध्ययन न केवल समाजशास्त्रियों ने किए हैं, अपितु भूगोलविदों ने भी इसमें विशेष रूचि ली है। इस प्रसंग में भूगोलविदों ने जो भी शोध अध्ययन किए हैं, वे प्रायः सूक्ष्म/क्षेत्रीय तथा अनुभवाश्रित (माइक्रो–इम्पिरीकल) हैं जिनमें वैज्ञानिक

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सामान्यीकरण का अभाव प्रायः देखने को मिलता है। जनांकिकीवेत्ताओं ने आन्तरिक प्रवास के मापन व मूल्यांकन में पद्धतिशास्त्रीय समस्याओं पर मुख्यतः अपना ध्यान आकर्षित कर शोध अध्ययन किए हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि प्रवास को प्रेरित करने वाले कारकों के अध्ययन करने हेतु वर्तमान ज्ञान पर्याप्त नहीं है। पूर्व आनुभाविक अध्ययनों से प्रवास हेतु दो भिन्न प्रकार के दृष्टिकोण उभर कर सामने आते हैं जिन्हें आकर्षक तथा प्रत्याकर्षक कारकीय सिद्धान्त कहते हैं।

तालिका (1) : प्रवासन हेतु उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारक

क्रम	प्रमुख उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारक	प्रवासियों की आवृत्तियाँ	प्रतिशत
1	पारिवारिक तनाव तथा संघर्ष (लड़ाई झगड़े)	**10**	**10.00**
2	बेरोजगारी (रोजगारों की कमी) तथा गरीबी की समस्या	**24**	**24.00**
3	यातायात तथा मनोरंजन के साधनों का अभाव	**04**	**04.00**
4	संरक्षा तथा सुरक्षा के साधनों की कमी	**09**	**09.00**
5	स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की कमी	**16**	**16.00**
6	लघु–कुटीर उद्योग धन्धों का पतन	**10**	**10.00**
7	अच्छे रोजगारों की कमी	**07**	**07.00**
8	उच्च शिक्षण संस्थाओं की कमी	**03**	**03.00**
9	गांवों की जर्जर तथा हीन दशाएं	**05**	**05.00**
10	बच्चों के भविष्य की चिन्ताएं	**12**	**12.00**
	समस्त योग	**100**	**100.00**

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका सभी 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं द्वारा स्वयं के ग्रामीण–नगरीय प्रवास हेतु उनके द्वारा बताए गए उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारकों पर संक्षिप्त प्रकाश डालती है। तालिका में प्रदर्शित कम प्रतिशतता यह स्पष्ट करती है कि सर्वेक्षित सूचनादाताओं में से प्रत्येक सूचनादाता ने एक से अधिक प्रत्याकर्षक कारकों को स्वीकार किया है। सर्वेक्षित कुल 100 सूचनादाताओं में से प्रत्याकर्षक कारकों के रूप में 10(10 प्रतिशत) ने पारिवारिक तनाव व लड़ाई झगड़े, 24(24 प्रतिशत) सर्वाधिक ने गांवों में रोजगार की कमी (बेरोजगारी की समस्या, 4(4 प्रतिशत) ने यातायात व मनोरंजन के साधनों की कमी, 9(9 प्रतिशत) ने संरक्षा व सुरक्षा के साधनों की कमी, 16(16 प्रतिशत) ने स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की कमी, 10(10 प्रतिशत) ने गांव देहात में लघु कुटीर उद्योग धन्धों का पतन, 7(7 प्रतिशत) ने अच्छे रोजगारों की कमी, 3(3 प्रतिशत) ने उच्च शिक्षण संस्थाओं की कमी, 5(5 प्रतिशत) ने गांवों की जर्जर तथा हीन दशाएं तथा 12(12 प्रतिशत) ने बच्चों के भविष्य की चिन्ताओं के कारणों को प्रत्याकर्षक कारक स्वीकार किया है। इस प्रकार इन प्राथमिक तथ्यों के प्रकाश में सुस्पष्ट है कि ग्रामीण–नगरीय प्रवास हेतु कोई एक कारक उत्तरदायी नहीं, विभिन्न विषम परिस्थितियां (प्रत्याकर्षक कारक) उत्तरदायी हैं।

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक–पारिवारिक तनाव तथा आपसी लड़ाई झगड़े, निर्धनता, बेरोजगारी की समस्या, गांवों में संरक्षा व सुरक्षा की कमी, चिकित्सीय व शिक्षा सुविधाओं का न होना, ग्रामीण लघु–कुटीर उद्योग धन्धों का पतन, अच्छे रोजगारों का नितान्त अभाव, बच्चों की भविष्य की चिन्ताएं इत्यादि बताए हैं। इस तथ्य की पुष्टि गुप्ता सुरेन्द्र के[1] (2010) तथा फ्रान्सिस[2] (2001) के अध्ययनों से भी होती है। शोधार्थी ने ग्रामीण–नगरीय प्रवासन के प्रभावशाली आकर्षक कारकों की जानकारी करने के उद्देश्य से सभी 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं के विचारों तथा अभिमतों को कारकों के बरीयतानुसार जानने का भी प्रयास किया है, जिनकी बजह से उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों व पर्यावरण में प्रवास किया है। सभी 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं के विचारों तथा अभिमतों पर प्रदत्त वरीयतानुसार संक्षिप्त प्रकाश डालती है–

तालिका (2) : प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी आकर्षक कारकों के प्रति वरीयतानुसार अभिमत/विचार

क्रम	*प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी आकर्षक कारक*	*प्रवासियों के विचार/अभिमत (आवृत्तियों में) वरीयताक्रमानुसार*					*योग प्रतिशत*
		प्रथम	*द्वितीय*	*तृतीय*	*चतुर्थ*	*पंचम*	
1	नगरों में सुविधाओं की उपलब्धता तथा नगरीय जीवन का आकर्षण	**10**	**01**	--	--	--	**11 (11.00)**
2	रोजगारों के अवसरों की उपलब्धता का आकर्षण	**18**	**03**	**01**	**01**	--	**23 (23.00)**
3	अच्छी तथा उच्च शिक्षा का आकर्षण	**12**	**04**	**02**	--	--	**18 (18.00)**
4	नगरीय जीवन के प्रति रूझान	**03**	--	--	--	--	**03 (03.00)**
5	सफाई, स्वास्थ्य व चिकित्सीय सुविधाओं का आकर्षण	**10**	**03**	--	--	--	**13 (13.00)**
6	मनोरंजन तथा आवागमन के विभिन्न साधनों की सहज उपलब्धता	**09**	--	**02**	--	--	**11 (11.00)**
7	आय में वृद्धि के अवसरों के कारण	**08**	**02**	--	**01**	**01**	**12 (12.00)**
8	बच्चों के उन्नत जीवन (भविष्य) के लिए	**02**	**01**	--	--	--	**03 (03.00)**
9	निकट सम्बन्धियों व मित्रों के नगर में रहने के कारण	**03**	**01**	**01**	--	--	**05 (05.00)**
10	सामाजिक सुरक्षा व संरक्षा के साधनों की उपलब्धता	**01**	--	--	--	--	**01 (01.00)**
	समस्त योग (प्रतिशतता)	**76 (76.00)**	**15 (15.00)**	**06 (06.00)**	**02 (02.00)**	**01 (01.00)**	**100 (100.00)**

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका, अध्ययनार्थ चयनित सभी 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं द्वारा अपने प्रवास हेतु प्रभावी उत्तरदायी कारकों को प्रदत्त वरीयता के प्रति प्रदत्त विचारों/अभिमतों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम वरीयता क्रमानुसार स्पष्ट करती है कि कितने प्रवासियों ने किस आकर्षक कारण अथवा कारणों की बजह से ग्रामीण अंचलों से नगर मथुरा में प्रवासित हुए हैं। नगरों में सुख सुविधाओं की उपलबधता तथा नगरीय जीवन का आकर्षण स्वीकार करने वाले 11 सूचनादाताओं में से 10 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता; रोजगार के अवसरों की सहज उपलब्धता को स्वीकार करने वाले 23 सूचनादाताओं में से 18 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, नगरीय जीवन के प्रति रूझान बताने वाले 03 सूचनादाताओं में से सभी 3 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, सफाई, चिकित्सीय व स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण शहर में प्रवास करने वाले 13 प्रवासी सूचनादाताओं में से 10 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, शहरों में मनोरंजन तथा आवागमन के साधनों की सहज उपलब्धता के कारण शहर में प्रवास करने वाले 11 प्रवासी सूचनादाताओं में से 9 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, आय में वृद्धि के अवसरों के कारण शहर में प्रवास करने वाले 12 प्रवासी सूचनादाताओं में से 8 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, बच्चों के उन्नत जीवन (भविष्य) के लिए शहर में प्रवास करने वाले 03 प्रवासी सूचनादाताओं में से 2 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, रिश्तेदारों व मित्र दोस्तों के नगर में रहने के कारण शहर में प्रवास करने वाले सभी 5 प्रवासी सूचनादाताओं में से 3 सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता; और 1 प्रवासी सूचनादाता ने नगरीय परिवेश में सामाजिक सुरक्षा व संरक्षा के साधनों की उपलब्ध को प्रथम वरीयता प्रदान कर ग्रामीण अंचल से गरीय परिवेश में प्रवास किया है। इस प्रकार प्राथमिक तथ्यों के आलोक में निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ग्रामीण–नगरीय प्रवसन हेतु उपर्युक्त तालिका में प्रदर्शित आकर्षक कारक मुख्यतः उत्तरदायी हैं किन्तु यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि एक से अधिक कारकों के आकर्षण से प्रेरित हो व्यक्तियों ने गांवों से मथुरा नगर में प्रवास किया है। इतना ही नहीं, कुछ प्रत्याकर्षक कारकों की बजह से भी कुछ मुखिया सूचनादाताओं के परिवारों ने गांवों से मथुरा नगर में प्रवास किया है।

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सर्वेक्षित व अध्ययन किए गए कुल 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं द्वारा अपने प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारकों के प्रति प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम वरीयता क्रमानुसार उनके विचारों/अभिमतों पर अग्रांकित तालिका नं0 (3) संक्षिप्त प्रकाश डालती है–

तालिका (3) : प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी कारकों के प्रति सूचनादाताओं के अभिमत

क्रम	प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारक	प्रवासियों के विचार/अभिमत (आवृत्तियों में) वरीयताक्रमानुसार					योग प्रतिशत
		प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	पंचम	
1	पारिवारिक तनाव, आपसी लड़ाई झगड़े तथा संघर्ष	**05**	**03**	--	--	--	**08 (08.00)**
2	बच्चों हेतु उच्च शिक्षा सुविधाओं की कमी	**06**	**02**	**01**	--	--	**09 (09.00)**
3	निर्धनता तथा बेरोजगारी की समस्या	**25**	**02**	**02**	**01**	--	**30 (30.00)**
4	बच्चों के लिए इंग्लिश स्कूलों की कमी	**13**	**05**	--	--	--	**18 (18.00)**
5	जनसंचार, मनोरंजन तथा आवागमन के साधनों की कमी	**06**	**03**	**01**	**01**	**01**	**12 (12.00)**
6	सामाजिक संरक्षा तथा सुरक्षा के साधनों की कमी	**08**	**02**	--	--	--	**10 (10.00)**
7	चिकित्सीय तथा स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी आदि	**10**	--	**01**	**01**	**01**	**13 (13.00)**
	समस्त योग (प्रतिशतता)	**73 (73.00)**	**17 (17.00)**	**05 (05.00)**	**03 (03.00)**	**02 (02.00)**	**100 (100.00)**

प्रसंगाधीन प्रस्तुत तालिका सभी 100 प्रवासी परिवारों के मुखिया सूचनादाताओं द्वारा उनके प्रवास हेतु उत्तरदायी प्रमुख प्रत्याकर्षक कारकों के प्रति उनके विचारों व अभिमतों पर संक्षिप्त प्रकाश प्रदत्त प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पंचम वरीयता क्रमानुसार डालती है। पारिवारिक तनाव, आपसी लड़ाई, झगड़े तथा सामुदायिक स्तर पर होने वाले संघर्ष को प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक बताने वाले 8 प्रवासी परिवारों के मुखिया सूचनादाताओं में से 5 प्रवासियों ने इस कारक को प्रथम वरीयता, देहातों में उच्च शिक्षा सुविधाओं की कमी को प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक बताने वाले 9 प्रवासी परिवारों के मुखिया सूचनादाताओं में से 6 प्रवासियों ने इस कारक को प्रथम वरीयता, निर्धनता तथा बेरोजगारी की समस्या को प्रवास हेतु प्रमुख

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रत्याकर्षक कारक बताने वाले 30 प्रवासी सूचनादाताओं में से 25 प्रवासियों ने इस कारक को प्रथम वरीयता, बच्चों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों की कमी को अपने प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी कारक बताने वाले 18 प्रवासी सूचनादाताओं में से 13 प्रवासी सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, जनसंचार, मनोरंजन तथा आवागमन के साधनों की ग्रामीण अंचलों में कमी को अपने प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारक बताने वाले 12 प्रवासी सूचनादाताओं में से 6 प्रवासी सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयता, सामाजिक स्तर पर संरक्षा तथा सुरक्षा के अभाव को प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक बताने वाले 10 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं में से अपने प्रवास हेतु प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक मानने वाले 8 प्रवासी सूचनादाताओं ने प्रथम वरीयता एवं चिकित्सीय व स्वास्थ्य सुविधाओं की ग्रामीण इलाकों में कमी को अपने प्रवास हेतु प्रमुख उत्तरदायी प्रत्याकर्षक कारक स्वीकार करने वाले 13 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं में से 10 प्रवासी सूचनादाताओं ने इस कारक को प्रथम वरीयताएं प्रदान की हैं। इस प्रकार इन प्राथमिक तथ्यों के प्रकाश में सुस्पष्ट है कि उक्त तालिका में प्रदर्शित (जिन्हें प्रथम वरीयताएं अधिक आवृत्तियों में ही गयी हैं) सभी कारण ग्रामीण–नगरीय प्रवासन हेतु प्रमुख प्रत्याकर्षक कारक हैं। जिन्हें प्रायः 60 प्रतिशत से भी अधिक प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं ने प्रथम वरीयताएं प्रदान कर स्वीकार किया है। इन्हीं प्रत्याकर्षक कारकों की पुष्टि अन्य विद्वानों सर्वश्री माइसिक महमट[3] (2003:93), मुस्तका कैलिओप[4] (2002:47) तथा सिम्मान व गारडोना[5] (2003:146) के आनुभविक क्षेत्रीय अध्ययनों से भी होती है।

निम्नांकित तालिका नं. (4) प्रवासन को प्रभावित करने वाले विभिन्न उत्तरदायी आधारों **(Aspects)** कारणों **(Causes)** तथा कारकों **(Factors)** को दर्शाती है–

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका (4) : प्रवासन को प्रभावित करने वाले विभिन्न आधार व कारक

क्रम	प्रवासन हेतु विभिन्न उत्तरदायी आधार	प्रवास के कारण/कारक	अभिमत सम्बन्धी आवृत्तियाँ (प्रतिशत)	
			पक्ष में	विपक्ष में
1	सामाजिक–आर्थिक कारक :	• भूमि की कमी व अनउपजाऊ • निर्धनता • वेरोजगारी • रोजगारों के अवसर • नगरीयकरण • आर्थिक दशा सुधार हेतु • शिक्षा सुविधाएं • लड़ाई–झगड़े	10(10.00) 21(21.00) 17(17.00) 15(15.00 03(03.00) 05(05.00) 07(07.00) 02(02.00)	05(05.00) --(00.00) --(00.00) --(00.00) 05(05.00) --(00.00) --(00.00) --(00.00)
		समस्त योग	90(90.00)	10(10.00)
2	धार्मिक कारक :	• धार्मिक तनाव व संघर्ष • धार्मिक भावनाएं • रूढ़िवादी विचार	10(10.00) 30(30.00) 17(17.00)	10(10.00) 20(20.00) 13(13.00)
		समस्त योग	57(57.00)	43(43.00)
3	प्राकृतिक (भौगोलिक) कारक :	• प्राकृतिक आपदाएं • बाढ़ • सूखा • बीमारियाँ	05(05.00) 10(10.00) 40(40.00) 10(10.00)	15(15.00) 10(10.00) 05(05.00) 05(05.00)
		समस्त योग	65(65.00)	35(35.00)
4	जनांकिकीय कारक :	• जाति विशेष की बहुलता • जातिय दंगे, लड़ाई झगड़े • मृत्यु दर अधिक होना	18(18.00) 36(36.00) 12(22.00)	09(09.00) 15(15.00) 10(10.00)
		समस्त योग	66(66.00)	34(34.00)
5	राजनीतिक कारण :	• राजनीतिक निर्णय • राजनीतिक संघर्ष	--(00.00) --(00.00)	--(00.00) --(00.00)
		समस्त योग	--(00.00)	--(00.00)
6	सांस्कृतिक कारक :	• सांस्कृतिक सम्पर्क • आवागमन के साधन • स्थानीय भाषा का बच्चों पर प्रभाव	10(10.00) --(00.00) 43(43.00)	10(10.00) 27(27.00) 10(10.00)
		समस्त योग	53(83.00)	47(17.00)

उपरोक्त तालिका के प्राथमिक तथ्यों के विश्लेषण तथा विवेचन के प्रकाश में सुस्पष्ट है कि सभी 100 प्रवासी मुखिया सूचनादाताओं के अभिमतों के अनुसार ग्रामीण–नगरीय प्रवासन हेतु कोई एक ही कारण (कारक) उत्तरदायी नहीं; अपितु प्रवसन हेतु विभिन्न कारक उत्तरदायी होते हैं जिनमें कुछ सामाजिक–आर्थिक, कुछ धार्मिक, कुछ भौगोलिक (प्राकृतिक), कुछ जनांकिकीय, कुछ राजनीतिक तथा कुछ सांस्कृतिक कारक, जिनके पक्ष में प्रवासी सूचनादाताओं ने अपने अभिमत प्रकट किए हैं; विशेष रूप से उनके

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

ग्रामीण–नगरीय प्रवास हेतु उत्तरदायी रहे हैं। सर्वेक्षित सूचनादाताओं के ग्रामीण–नगरीय प्रवासन की प्रक्रिया से प्रमुख भूमिकाएं 90(90 प्रतिशत) सूचनादाताओं के अनुसार सामाजिक–आर्थिक कारकों की, 65(65 प्रतिशत) सूचनादाताओं के अनुसार प्राकृतिक/भौगोलिक तथा 66(66 प्रतिशत) सूचनादाताओं के अनुसार राजनैतिक कारकों की रही हैं। इस तालिका का उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 90(90 प्रतिशत) प्रवासी परिवारों के मुखिया सूचनादाताओं ने अपने ग्रामीण–नगरीय प्रवास हेतु सामाजिक–आर्थिक, जनांकिकीय तथा प्राकृतिक कारकों को उत्तरदायी माना है। किसी भी प्रवासी सूचनादाता ने अपने प्रवास के लिए राजनीतिक कारक को जिम्मेदार नहीं ठहराया है।

ग्रामीण–नगरीय प्रवसन हेतु आकर्षक व प्रत्याकर्षक उत्तरदायी कारकों तथा तत्सम्बन्धित घटकों के प्रसंग में प्राप्त सूचनादाताओं से प्राप्त तथ्यों के प्रकाश में प्रत्याकर्षक **(Push Factors)** कारकों तथा आकर्षक कारकों **(Pull Factors)** सम्बन्धी कारकीय प्रारूप **((Modal of Factors)** अग्रांकित है–

प्रस्तुत अध्ययन से अनुसंधित्सु निम्न निष्कर्ष प्राप्त करता है–

(1) गांव की विषम परिस्थितियां नगर प्रवासन हेतु प्रत्याकर्षक कारक का कार्य करती हैं।

(2) ग्रामीण बेरोजगारी तथा निर्धनता की समस्याएं; ग्राम–नगर प्रवास के लिए महत्वपूर्ण प्रत्याकर्षक कारक हैं।

(3) सूखा तथा गरखी/अतिवर्षा, बेरोजगारी जनित कर मानव जीवन को अस्थिर बनाती हैं और मानसिक असन्तोष पैदा कर नगर की ओर पलायन करने को विवश करती हैं।

(4) गन्दी बस्तियां, झुग्गी–झोंपड़ियां; ग्राम–नगर प्रवासन के प्रतिफलन हैं।

(5) गांवों की तुलना में, नगरों में रोजी रोजगारों के अवसर सहज सुलभ हो जाते हैं।

(6) निम्न जातियों में सामाजिक व्यवसायिक गतिशीलता अधिक होती है।

(7) ग्रामीण–नगरीय प्रवसन को प्रभावित करने वाला; औद्योगिक क्रान्ति एक महत्वपूर्ण कारक है।

(8) 'प्रवसन' सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन का एक मूलभूत लक्षण है।

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

(9) ग्रामों से नगर की ओर प्रवसन के लिए कोई एक कारक नहीं अपितु प्रत्याकर्षक ;च्नोद्ध तथा आकर्षक ;च्नससद्ध दोनों ही प्रकार के कारक उत्तरदायी होते हैं।

(10) प्रवसन, जनसंख्या के आकार और वृद्धि दर को निर्धारित करने के साथ–साथ जनसंख्यात्मक संरचना को भी प्रत्यक्षतः प्रभावित करता है।

(11) प्रवसन की प्रक्रिया; प्रवासियों तथा उनके गांव में छूटे परिवारों के लिए हितकर व लाभकारी है।

References

Gupta Surendra K., Role of migration in the process of urbanization in Assam, Social Action, Vol. 34, Jan. March 2010, page 61.

Francis Abrahim M. (et. al.) Patterns of Social mobility and migration in a caste society, International Review of modern Sociology Vol. 4, No. 1, April 2004, page 78-80.

Saxena D.P. ; Rur-ban migration in India : Causes & Consequences, Popular Prakashan Bombay, 2007, page 24.

Singh Ram; Rural-Urban Migration & its impact on Family Structure, Rural Economy & The Pattern of Social Mobility : A Sociological study (A case study of six villages of Mainpuri District of U.P.), Research Publications (Raj.) Jaipur, 2002, p. 210.

Majumdar S & Illa Majumdar; Rural Migrants in Urban Setting, Hindustan Publishing Co. Delhi, 2008, page 102.

Maycic Mahmutts; The Rural family in Towns; Sociological Sela, vol.8, No. 27-28, Jan-June, 2003, page 93.

Copyright © 2019, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies